मप्र से आगे बढ़ीं टिड्डियां, यूपी व महाराष्ट्र में प्रवेश

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : टिड्डी दल राजस्थान के रास्ते मध्य प्रदेश के बाद अब उत्तर प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र में प्रवेश कर गए हैं। इस बार इनका आकार बड़ा भी है। लॉकडाउन के चलते पूरी तरह से रोकथाम नहीं हो पाने से इनका मूवमेंट भी बढ़ा है। यही वजह है कि खतरे को भांपते हुए मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा ने अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही इनके निस्तारण के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उप्र में टिड्डियों को भगाने के बजाय नष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

मप्र में नियंत्रण के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है। इस कार्रवाई से बचे हुए टिड्डियों के झुंड सीधी-सिंगरौली होते हुए उप्र और बैतूल के रास्ते महाराष्ट्र प्रवेश कर गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के आने-आते टिड्डी पर पूरी तरह नियंत्रण हो जाएगा। मप्र के 30 से ज्यादा जिले टिड्डियों से प्रभावित हैं। टिड्डी दल पर केंद्र और राज्य सरकार की टीमें नजर रख रही हैं। उप्र के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही का कहना है कि टिड्डियां नुकसान न करने पाएं, इसलिए उनको भगाने के बजाय रासायनिक दवाओं का छिड़काव कर नष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। झांसी में 40 प्रतिशत टिड्डियों को नष्ट करने में कामयाबी भी मिली है।

- सीधी-सिंगरौली होते हुए उत्तर प्रदेश में पहुंचा दल
- बैतूल से निकला दूसरा दल महाराष्ट्र में हो गया दाखिल
- राजस्थान के साथ पंजाब, उत्तराखंड और हरियाणा में भी अलर्ट

टिड्डी दल से निपटने में ढिलाई न बरतें : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश में टिड्डी दल के हमले को देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीमावर्ती जिलों झांसी, ललितपुर, आगरा, मथुरा, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, जालौन, इटावा व कानपुर देहात में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री ने समीक्षा कर संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों एवं कृषि अधिकारियों को टिड्डी दल से बचाव में कोई ढिलाई नहीं बरतने को कहा है। आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की व्यवस्था के अनुसार जिलाधिकारियों

योगी आदित्यनाथ (फाइल फोटो)

को कोषागार नियम-27 के तहत संसाधनों की व्यवस्था के लिए धनराशि व्यय करने के निर्देश भी दिए गए हैं। टिड्डी दल के नियंत्रण के लिए प्रदेश व जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष तथा टीमों का गठन किया जा चुका है, जो कि टिड्डी दलों के प्रदेश में भ्रमण एवं उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखकर आवश्यक सुरक्षात्मक निर्देश जारी कर रहा है। जिला मुख्यालयों पर नोडल अधिकारी और टास्क फोर्स का गठन हो चुका है। टिड्डी दल के प्रकोप से बचाव तथा सावधानियों से संबंधित जानकारी वाला फोल्डर सोशल मीडिया के माध्यम से उपलब्ध करा दिया गया है। प्रकोप की सूचना ग्राम प्रधान, लेखपाल, कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों सहित समस्त क्षेत्रीय कार्मिकों तथा सोशल मीडिया से तत्काल किसानों तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मानसून से पहले टिड्डियों पर काबू पाना जरूरी

जागरण, नई दिल्ली : देश के पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों से होते हुए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश तक पहुंच चुके टिड्डी दलों पर काबू पाने के प्रयास युद्ध स्तर पर शुरू कर दिए गए हैं, ताकि खरीफ सीजन की फसलों को इनसे बचाया जा सके। टिड्डी दलों के भारतीय सीमा में प्रवेश से पहले ही रबी सीजन की फसलों की कटाई लगभग पूरी हो चुकी थी, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ है। लोकस्ट वार्निंग ऑर्गेनाइजेशन (एलडब्ल्यूओ) के अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी राज्यों में सक्रिय टिड्डी दलों का सफाया जल्दी ही कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की सीमा में इन टिड्डी दलों ने जबर्दस्त तबाही मचाई है। पाकिस्तान ने टिड्डी दलों पर नियंत्रण के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। भारतीय सीमा में उनसे बहुत बड़ा खतरा नहीं है। पाकिस्तानी प्रयासों का लाभ भी मिलेगा, जिससे इन कीटों पर समय रहते काबू कर लिया जाएगा। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून सीजन से पहले और भारी वर्षा होने की हालत में इनका प्रजनन बहुत तेज हो जाता है। इन टिड्डी दलों के उड़ने की रफ्तार 100 किमी रोजाना की है।

100 से 150 किमी की दूरी एक दिन में तय कर सकती हैं टिड्डियां

दो-तीन दिन में सड़कर नष्ट होने लगती हैं मरी हुई टिड्डियां

राज्य ब्यूरो, भोपाल : देश के कई राज्यों में टिड्डियों के हमले के बाद कीटनाशक से उनको मारने पर इनके निस्तारण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आखिर इनका क्या किया जाए। ऐसे में कृषि वैज्ञानिकों का कहना है हजारों की संख्या में मरने वाली टिड्डियां दो-तीन दिन में स्वतः ही सड़कर नष्ट होने लगती हैं। किसान चाहें तो उन्हें एकत्र कर गड्ढे में दफना भी सकते हैं। अविनाश चतुर्वेदी, सहायक संचालक कृषि, भोपाल ने बताया कि टिड्डियों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे टिड्डियां मर जाती हैं। केंद्र सरकार के सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकार रवि कुमार जायरे का कहना है कि मरी हुई टिड्डियां दो-तीन दिन में सड़कर नष्ट (डी-कम्पोस्ट) हो जाती हैं। फसलों की बोवनी के समय यदि टिड्डियां नजर आती हैं तो फिर वे बखरनी के दौरान मिट्टी में मिल जाती हैं। किसान इन्हें एकत्र करके गड्ढे में डालकर मिट्टी से दबा भी सकते हैं। इनसे जमीन को कोई नुकसान नहीं होता है। टिड्डी दल शाम सात बजे के बाद मूवमेंट नहीं करते हैं। वे शाम के वक्त हरियाली वाले इलाकों में बैठ जाते हैं और सुबह आठ-नौ बजे फिर आगे बढ़ते हैं।

50 किमी लंबाई और 25 किमी चौड़ाई तक के होते हैं दल

रुख बदला, लेकिन खतरा बरकरार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : राजस्थान, हरियाणा व पंजाब की ओर से उड़ान भर रहे टिड्डी दल का रुख मध्य प्रदेश की ओर अधिक है। हवा के बदली दिशा के बावजूद बुधवार को भी कई छोटे टिड्डी दल झांसी की ओर उड़ते देख गए। एक छोटा दल सोनभद्र तक पहुंच गया। राज्य कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार झांसी जिले की मोठ व गरौठा तहसील क्षेत्र में टिड्डियों ने हमला किया परंतु संख्या अधिक न होने के कारण फसलों को कम नुकसान हो पाया। नियंत्रण टीमों ने ग्रामीणों के सहयोग से टिड्डियों को भगा दिया।

कृषि निदेशक सौराज सिंह का कहना है कि टिड्डियों का मध्य प्रदेश की ओर अधिक जोर होने के बावजूद सीमावर्ती जिलों में पूरी सतर्कता बरती जा रही है। झांसी से भगाए गए टिड्डी दल के जालौन व हमीरपुर की ओर बढ़ने की आशंका है। इसलिए दोनों जिलों में हाई अलर्ट किया गया है। इसके अलावा मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले से सोनभद्र की ओर भी एक टिड्डी दल पहुंचा है जिसे देखते हुए चंदौली व मीरजापुर में भी सतर्क रहने को कहा गया है।

टिड्डी दलों की राजस्थान से उड़ान लगातार जारी है। बुधवार शाम चार बजे धौलपुर जिले की राजाखेड़ा तहसील से होते हुए एक टिड्डी दल मध्य प्रदेश में ग्वालियर की ओर बढ़ता दिखा। इस दल के पहले आगरा की तरफ आने की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन हवा के बदले रुख के कारण उनकी दिशा मध्य प्रदेश की ओर बदल गई।

लखनऊ में प्रवेश की आशंका पर अलर्ट

जासं, लखनऊ : पाकिस्तान की सीमा से राजस्थान तक पहुंचा टिड्डियों का झुंड आगरा और हमीरपुर के करीब आ गया है। बुधवार देर शाम तक हमीरपुर के बेतवा नदी के तट पर हरियाली के चलते इनके रुकने की आशंका को देखते हुए हमीरपुर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। फायर ब्रिगेड, वन विभाग और उद्यान विभाग के अधिकारियों को तैयार रहने के लिए कहा गया है। हमीरपुर से कानपुर देहात और फिर उन्नाव के रास्ते इनके लखनऊ में प्रवेश करने की आशंका के चलते सभी को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उप कृषि निदेशक व टिड्डी रोकथाम के नोडल अधिकारी डॉ. सीपी श्रीवास्तव ने बताया कि हवा के रुख में कुछ बदलाव हो रहा है, लेकिन अभी खतरा टला नहीं है। प्रयास है कि उन्हें पहले हमीरपुर और फिर कानपुर देहात में ही रोक दिया जाए।

हमीरपुर में हाईअलर्ट, कानपुर देहात के रास्ते राजधानी में आने की आशंका

दस लाख टिड्डियों ने पाकिस्तान के रास्ते किया प्रवेश

10 लाख की संख्या में टिड्डियों का दल पाकिस्तान से होते हुए राजस्थान के रास्ते भारतीय सीमा में आया था, जो दो भागों में बंट गया। एक दल राजस्थान होते हुए आगरा की तरफ और दूसरा मध्य प्रदेश की ओर चला गया था। ऐसे में दोनों ही तरफ सुरक्षा के साथ ही पूरे प्रदेश में 23 मई को अलर्ट जारी होने के साथ ही एडवाइजरी जारी की गई थी।

टिड्डियों का वैश्विक रूट

अफ्रीका से फसलों को चट करने वाला यह हरा आतंक उठता है। खासकर सूडान और सोमालिया से। सूडान से चलने वाला टिड्डी दल सऊदी अरब, ओमान को पार करते हुए ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान होते हुए भारत के राजस्थान में प्रवेश करता है। इस दौरान ये करीब पांच हजार किमी का सफर पूरा करते हैं। दूसरा रूट सोमालिया का है, जो समुद्री रास्ते से होते हुए गुजरात पहुंचता है। यह रूट करीब 3300 किमी का है।

टिड्डियों से जंग लड़ने को तैयार फायर ब्रिगेड: टिड्डियों से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड ने भी तैयारी पूरी कर ली है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि जिला कृषि रक्षा अधिकारी धनजय सिंह के साथ समन्वय बनाया गया है। कीटनाशकों को रिजर्व करने के साथ ही ब्लॉक स्तर पर पानी के टैंकर सुरक्षित कर लिए गए हैं।

एक नजर में

ममता को नसीहत-दावे नहीं जमीन पर काम करिए

कोलकाता : बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर चक्रवात के बाद कई इलाकों में जरूरी सेवाएं बहाल नहीं होने को लेकर सीएम ममता बनर्जी पर ट्विटर के जरिये निशाना साधा। उन्होंने

पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत की थल और वायुसेना पूरी तरह मुस्तैद

अग्रिम मोर्चे पर **चिनूक हेलीकॉप्टर भी उतारा** यूएवी तैनात

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : पूर्वी लद्दाख में

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफॉर्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

भूस्खलन का यह वीडियो मेघालय का नहीं इंडोनेशिया का है

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

बाढ़ और भूस्खलन की वजह से हुई मौत का जिक्र है। एक अखबार में 27 मई को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 'देश में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों असम, अरुणाचल